श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री गोदाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री गोदाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

1	ओं श्रीरङ्गनायक्यै नमः
2	ओं गोदायै नमः
3	ओं विष्णुचित्तात्मजायै नमः
4	ओं सत्यै नमः
5	ओं गोपीवेषधरायै नमः
6	ओं देव्यै नमः
7	ओं भूसुतायै नमः
8	ओं भोगशालिन्यै नमः
9	ओं तुलसीकाननोद्भूतायै नमः
10	ओं श्रियै नमः
11	ओं धन्विपुरवासिन्यै नमः
12	ओं भट्टनाथप्रियकर्यै नमः
13	ओं श्रीकृष्णहितभोगिन्यै नमः
14	ओं आमुक्तमाल्यदायै नमः
15	ओं बालायै नमः

16	ओं रङ्गनाथप्रियायै नमः
17	ओं परायै नमः
18	ओं विश्वम्भरायै नमः
19	ओं कलालापायै नमः
20	ओं यतिराजसहोदर्यै नमः
21	ओं कृष्णानुरक्तायै नमः
22	ओं सुभगायै नमः
23	ओं सुलभश्रियै नमः
24	ओं सलक्षणायै नमः
25	ओं लक्ष्मीप्रियसख्यै नमः
26	ओं श्यामायै नमः
27	ओं दयाञ्चितदृगञ्चलायै नमः
28	ओं फल्गुण्याविर्भवायै नमः
29	ओं रम्यायै नमः
30	ओं धनुर्मासकृतव्रतायै नमः
31	ओं चम्पकाशोकपुन्नाग मालती विलसत्कचायै नमः
32	ओं आकारत्रय सम्पन्नायै नमः
33	ओं श्रीमदष्टाक्षरीमन्त्र राजस्थित मनोरथायै नमः

34	**ओं मोक्षप्रदाननिपुणायै नमः**
35	**ओं मन्त्ररत्नाधिदेवतायै नमः**
36	**ओं ब्रह्मण्यायै नमः**
37	**ओं लोकजनन्यै नमः**
38	**ओं लीलामानुष रूपिण्यै नमः**
39	**ओं ब्रह्मज्ञायै नमः**
40	**ओं अनुग्रहायै नमः**
41	**ओं मायायै नमः**
42	**ओं सच्चिदानन्द विग्रहायै नमः**
43	**ओं महापतिव्रतायै नमः**
44	**ओं विष्णुगुणकीर्तनलोलुपायै नमः**
45	**ओं प्रपन्नार्तिहरायै नमः**
46	**ओं नित्यायै नमः**
47	**ओं वेदसौधविहारिण्यै नमः**
48	**ओं श्रीरङ्गनाथ माणिक्यमञ्जर्यै नमः**
49	**ओं मञ्जुभाषिण्यै नमः**
50	**ओं सुगन्धार्थग्रन्थकर्यै नमः**
51	**ओं रङ्गमङ्गळदीपिकायै नमः**

52	ओं ध्वजवज्राङ्कुशाब्जाङ्कमृदुपादतलाञ्चितायै नमः
53	ओं तारकाकारनखरायै नमः
54	ओं प्रवाळमृदुळाङ्गुळ्यै नमः
55	ओं कूर्मोपमेय पादोर्ध्वभागायै नमः
56	ओं शोभनपार्ष्णिकायै नमः
57	ओं वेदार्थभावविदित तत्वबोधाङ्घ्रिपङ्कजायै नमः
58	ओं आनन्दबुद्बुदाकार सुगुल्फायै नमः
59	ओं परमायै नमः
60	ओं अणुकायै नमः
61	ओं तेजश्श्रियोज्ज्वलधृतपादाङ्गुळि सुभूषितायै नमः
62	ओं मीनकेतनतूणीर चारुजङ्घा विराजितायै नमः
63	ओं ककुद्वज्जानुयुग्माढ्यायै नमः
64	ओं स्वर्णरम्भाभसक्थिकायै नमः
65	ओं विशालजघनायै नमः
66	ओं पीनसुश्रोण्यै नमः
67	ओं मणिमेखलायै नमः
68	ओं आनन्दसागरावर्त गम्भीराम्भोज नाभिकायै नमः
69	ओं भास्वद्वळित्रिकायै नमः

70	ओं चारुजगत्पूर्ण महोदर्यै नमः
71	ओं नववल्लीरोमराज्यै नमः
72	ओं सुधाकुम्भायित स्तन्यै नमः
73	ओं कल्पमालानिभ भुजायै नमः
74	ओं चन्द्रखण्ड नखाञ्चितायै नमः
75	ओं सुप्रवाशाङ्गुळीन्यस्तमहारत्नाङ्गुळीयकायै नमः
76	ओं नवारुणप्रवाळाभ पाणिदेशसमञ्चितायै नमः
77	ओं कम्बुकण्ठ्यै नमः
78	ओं सुचुबुकायै नमः
79	ओं बिम्बोष्ठ्यै नमः
80	ओं कुन्ददन्तयुजे नमः
81	ओं कारुण्यरसनिष्यन्द नेत्रद्वयसुशोभितायै नमः
82	ओं मुक्ताशुचिस्मितायै नमः
83	ओं चारुचाम्पेयनिभ नासिकायै नमः
84	ओं दर्पणाकारविपुलकपोल द्वितयाञ्चितायै नमः
85	ओं अनन्तार्कप्रकाशोद्यन्मणिताटङ्क शोभितायै नमः
86	ओं कोटिसूर्याग्निसङ्काश नानाभूषणभूषितायै नमः
87	ओं सुगन्धवदनायै नमः

88	ओं सुभ्रुवे नमः
89	ओं अर्धचन्द्र ललाटिकायै नमः
90	ओं पूर्णचन्द्राननायै नमः
91	ओं नीलकुटिलालक शोभितायै नमः
92	ओं सौन्दर्यसीमायै नमः
93	ओं विलसत्कस्तूरीतिलकोज्ज्वलायै नमः
94	ओं धगद्धगायमानोद्यन्मणि सीमन्त भूषणायै नमः
95	ओं जाज्वल्यमान सद्रत्न दिव्यचूडावतंसकायै नमः
96	ओं सूर्यार्धचन्द्रविलसत् भूषणाञ्चित वेणिकायै नमः
97	ओं निगन्निद्रगत्नपुञ्ज प्रान्तस्वर्ण निचोलिकायै नमः
98	ओं सद्रत्नाञ्चितविद्योत विद्युत्कुञ्जाभ शाटिकायै नमः
99	ओं अत्यर्कानल तेजोधिमणि कञ्चुक धारिण्यै नमः
100	ओं नानामणिगणाकीर्ण हेमाङ्गदसुभूषितायै नमः
101	ओं कुङ्कुमागरु कस्तूरी दिव्यचन्दनचर्चितायै नमः
102	ओं स्वोचितौज्ज्वल्य विविधविचित्रमणिहारिण्यै नमः
103	ओं असङ्ख्येय सुखस्पर्शसर्वातिशय भूषणायै नमः
104	ओं मल्लिकापारिजातादि दिव्यपुष्पस्त्रगञ्चितायै नमः
105	ओं श्रीरङ्गनिलयायै नमः

106	**ओं पूज्यायै नमः**
107	**ओं दिव्यदेश सुशोभितायै नमः**
108	**ओं श्रीरङ्गनायक्यै नमः**

॥ इति श्री गोदाष्टोत्तरशतनामावलिः समाप्ता ॥